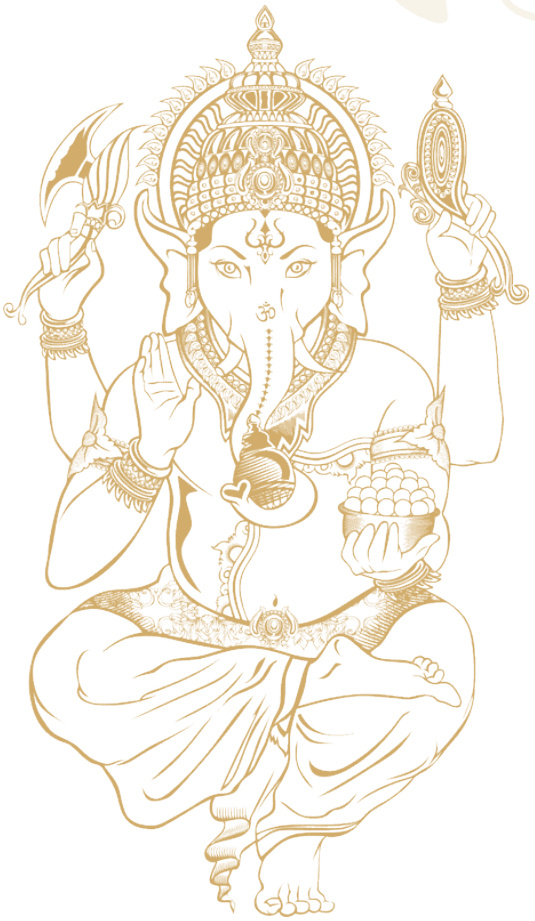

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 7-08/10/1996 | जन्म तिथि | 05/07/2000 |
| सोम-मंगलवार | दिन | बुधवार |
| घंटे 03:00:00 | जन्म समय | 10:20:00 घंटे |
| घटी 51:34:38 | जन्म समय(घटी) | 11:35:47 घटी |
| India | देश | India |
| Bundi | स्थान | Bundi |
| 25:28:00 उत्तर | अक्षांश | 25:28:00 उत्तर |
| 75:42:00 पूर्व | रेखांश | 75:42:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:27:12 | स्थानिक संस्कार | -00:27:12 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:22:08 | सूर्योदय | 05:41:41 |
| 18:06:31 | सूर्यास्त | 19:21:43 |
| 23:48:45 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:51:36 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| बुध 2वर्ष 5मा 10दि | 04:49:31 | सिंह | लग्न | सिंह | 19:38:28 | केतु 3वर्ष 3मा 17दि |
| सूर्य | 21:04:19 | कन्या | सूर्य | मिथु | 19:36:51 | सूर्य |
| 19/03/2026 | 28:04:57 | कर्क | चंद्र | सिंह | 07:03:09 | 22/10/2023 |
| 19/03/2032 | 23:18:52 | कर्क | मंगल | मिथु | 18:34:48 | 22/10/2029 |
| सूर्य 07/07/2026 | 04:21:58 | कन्या | बुध व | मिथु | 21:37:55 | सूर्य 09/02/2024 |
| चन्द्र 06/01/2027 | 15:49:08 | धनु | गुरु | वृष | 07:08:50 | चन्द्र 09/08/2024 |
| मंगल 13/05/2027 | 10:32:47 | सिंह | शुक्र | मिथु | 26:08:28 | मंगल 15/12/2024 |
| राहु 06/04/2028 | 09:17:50 | मीन व | शनि | वृष | 03:13:12 | राहु 09/11/2025 |
| गुरु 23/01/2029 | 14:12:12 | कन्या | राहु | कर्क | 00:46:11 | गुरु 28/08/2026 |
| शनि 05/01/2030 | 14:12:12 | मीन | केतु | मक | 00:46:11 | शनि 10/08/2027 |
| बुध 12/11/2030 | 06:49:53 | मक व | हर्ष व | मक | 26:19:44 | बुध 16/06/2028 |
| केतु 20/03/2031 | 01:09:53 | मक | नेप व | मक | 11:54:57 | केतु 22/10/2028 |
| शुक्र 19/03/2032 | 07:26:19 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 16:50:12 | शुक्र 22/10/2029 |

**लग्न-चलित**

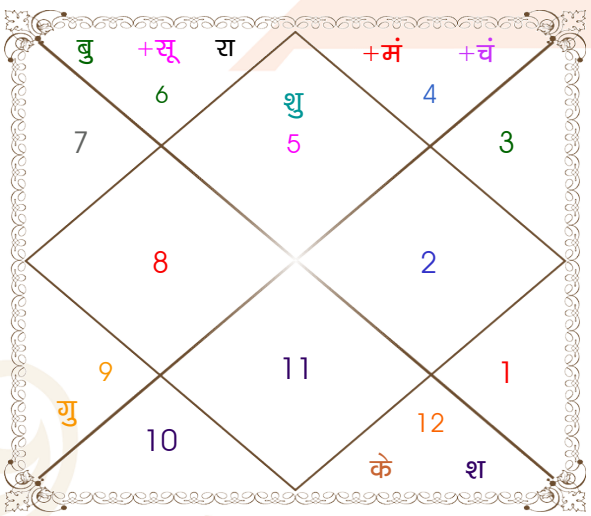


**लग्न-चलित**

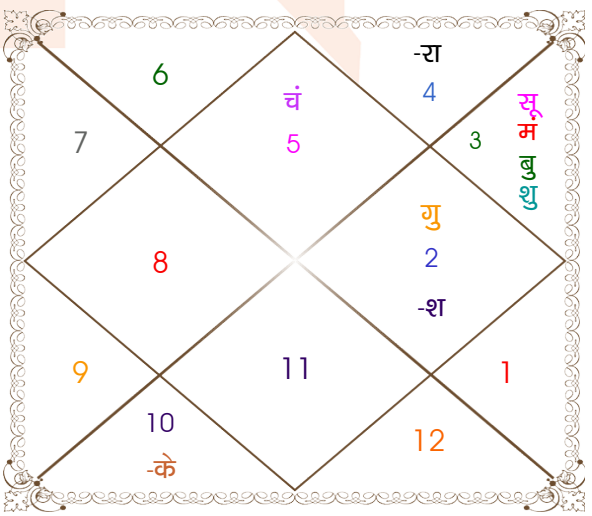

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | वनचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | अतिमित्र | सम्पत | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | मार्जार | मूषक | 4 | 0.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | चन्द्र | सूर्य | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | कर्क | सिंह | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 16.00 | | |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।**

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।**
**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।